डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय औरंगाबाद संलग्नित

अजंटा एज्युकेशन ॲण्ड मिलीटरी प्रिपरेटरी इन्स्टिटयुट संचलित

इंद्रराज कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, सिल्लोड

द्वारा आयोजित

एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का संक्षिप्त विवरण

"आधुनिक हिंदी, भाषा साहित्य और संस्कृती"

तिथी 25 फरवरी 2019

इंद्रराज कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय में एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्‌घाटक के रुप में कला संकाय के अधिष्ठाता डॉ. साळुंके तथा अध्यक्ष के रुप में संस्था के अध्यक्ष भूतपूर्व सांसर मा. श्री. उत्तमसिंहजी पवार साहब थे। मुख्य अतिथि के रुप में डॉ. बा. आं. म. विश्वविद्यालय, औरंगाबाद के हिंदी विभाग के भूतपूर्व अध्यक्ष डॉ. माधव सोनटक्के उपस्थित थे। विशेष उपस्थिती के रुप में संस्था सचीव हमारे मार्गदर्शक आदरणीय ॲड. जे. आर. देवरे साहब तथा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद शर्मा और महाविद्यालय के उपप्रधानाचार्य डॉ. व्हि. बी. लांब उपस्थित थे।

उद्‌घाटक समारोह में लगभग 65 शोध आलेख सी. डी. के रुप में ऑनलाईन जर्नल में प्रकाशित किए गए और सी. डी. का विमोचन उद्‌घाटक के मुख्य अतिथी द्वारा दिया गया।

संगोष्ठी के लिए बिजभाषक के रुप में डॉ. माधव सोनटक्के ने संगोष्ठी के मुख्य विषय को लकर अपना वक्तव्य दिया और साथ ही कुछ अछुते बिंदूओं की और इशारा किया।

संगोष्ठी का प्रथम सत्र ठीक 11:30 को आरंभ हुआ। इस सत्र के अध्यक्ष हिंदी विभाग डॉ. बा. आं. म. विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. संजय नवले तथा विषय प्रवर्तक के रुप में शिवाजी महाविद्यालय, कन्नड के डॉ. गोविंद बुरसे उपस्थित थे।

संगोष्ठी के दुसरे सत्र में अध्यक्ष के रुप में राजीव गांधी महाविद्यालय, करमाड के प्रधानाचार्य डॉ. अश्विनीकुमार चिंचोलीकर तथा विषय प्रवर्तक के रुप में मोरेश्वर महाविद्यालय, भोकरदन के डॉ. शिवाजी सांगोळे उपस्थित थे। संगोष्ठी के दोनो सत्र में कुल 8 प्रतिभागियों ने अपने शोध आलेख का पठन किया।

संगोष्ठी के समापन सत्र के अध्यक्ष संस्था के सचीव ॲड. जे. आर. देवरे उपस्थित थे और मुख्य अतिथी के रुप में डॉ. पी. जी. गौर (भूतपूर्व प्रधानाचार्य) उपस्थित थे। समापन समारोह में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद शर्मा तथा उपप्रधानाचार्य डॉ. व्हि. बी. लांब और संयोजक डॉ. प्रमोद पाटील मंच पर उपस्थित थे। समापन सत्र का सुत्रसंचालन हिंदी विभाग की डॉ. मनिषा मुगळीकर ने किया अतएंव कृतज्ञता ज्ञापन संगोष्ठी संयोजक डॉ. प्रमोद पाटील ने किया।

डॉ. प्रमोद पाटील	डॉ. मनिषा मुगळीकर	डॉ. प्रमोद शर्मा
(हिंदी विभागाध्यक्ष)	(हिंदी विभाग)	(प्रधानाचार्य)